कमानी केजरीवाल

करिअर विशेषज्ञ व सलाहकार **कानपुर** ने इस बार के जवाब दिये हैं

कॉल सेंटर में नौकरी

मैं कॉल सेंटर में नौकरी करना चाहती हूँ, लेकिन सुना है कि अब यहाँ पर नौकरी करना सुरक्षित नहीं है। मैं पढ़ने में ज़्यादा होशियार नहीं हूँ। लेकिन मेरी अंग्रेज़ी बोलने की क्षमता अच्छी है। कॉल सेंटर में नौकरी कैसे प्राप्त की जा सकती है?

सारिका सिंह, चंडीगढ़

उत्तर

यह सभी जानते हैं कि कॉल सेंटर की जॉब में अच्छाई और बुराई दोनों ही हैं। हालाँकि कई लोगों को कॉल सेंटर में काम करने से नफ़रत है और कुछ लोग इस जॉब को बहुत ही आनंद के साथ करते हैं। इसका सबसे बड़ा कारण समय, लक्ष्य या और भी कुछ हो सकता है। लेकिन इस जॉब को करने के साथ-साथ आप अपनी पढ़ाई को अवश्य जारी रखें। कॉल सेंटर में नौकरी पाना बहुत आसान है। अगर आपकी अंग्रेज़ी अच्छी है तो 12वीं कक्षा के बाद आप इसमें जॉब कर सकते हैं। इसमें आप अच्छा वेतन भी प्राप्त कर सकते हैं। ज़्यादातर कॉल सेंटर समाचार पत्र, इंटरनेट में उनकी आवश्यकताओं को पूरा करने, विज्ञप्ति तथा सलाहाकर की नियुक्ति के लिए या ऑनलाइन आवेदन के माध्यम से आपको नौकरी का ऑफ़र देते हैं। कॉल सेंटर को सदैव ऐसे व्यक्ति की तलाश रहती है जो आमतौर पर अच्छा संचार कौशल, ग्राहक सेवा अनुभव, टेलीफ़ोन में बातचीत का तरीका, सभ्य आईटी कौशल आदि से युक्त हो। इसके साथ ही अगर आपको दो-तीन भाषाएँ अतिरिक्त आती हों, तो यह आपके लिए और अच्छा है।

विदेशी भाषा में करिअर

मैं किसी विदेशी भाषा का विशेषज्ञ बनना चाहता हूँ , किस विदेशी भाषा में करिअर की बेहतर संभवानाएँ रहेंगी और पढ़ाई कहाँ से की जायेगी?

रमेश भारद्वाज, मेरठ

उत्तर

अंग्रेज़ी के साथ-साथ एक विदेशी भाषा का ज्ञान होना करिअर के लिहाज़ से महत्वपूर्ण है। रोज़गार के बेहतर अवसर मौजूद हैं। भारत में चीनी, जापानी और कोरियाई भाषा के लिए विशेष रूप से भाषा के विशेषज्ञों की बड़ी संख्या में आवश्यकता है। फ्रेंच, जापानी, स्पेनिश, चीनी, जर्मन, फ़ारसी और अरबी जैसी भाषाओं को भारत में बहुत अच्छे से सिखाया जाता है। भारत में ऐसे संस्थान भी हैं जो एक किस्म की डिग्री और डिप्लोमा भी देते हैं। इनमें स्कूल ऑफ़ लैंग्वेज, बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी, इंडो इटैलियन चैंबर ऑफ़ कॉमर्स, मुंबई, दिल्ली वि.वि. आदि शामिल हैं। देश में विदेशी भाषा के पाठ्यक्रम के लिए कम से कम आपको 10वीं की योग्यता होनी चाहिए। इसके अलावा स्नातक और परास्नातक छात्र इसे अध्ययन के विकल्प के लिए चुन सकते हैं।

बी.एस.सी. या प्रोफ़ेशनल कोर्स

मैं जीव विज्ञान की छात्रा हूँ, मेरे घर वाले कहते हैं कि मुझे परंपरागत ढंग से बी.एस.सी. करके नेट अथवा पी.एच.डी. करनी चाहिए, क्या यह प्रोफ़ेशनल कोर्स से बेहतर विकल्प रहेगा? -**अदिति,** हल्द्वानी

उत्तर

आज के समय में जीवविज्ञान के विद्यार्थियों के लिए भविष्य बहुत अच्छा है। बहुत से छात्र इसमें शिक्षण और लेक्चररशिप में करिअर बनाना चाहते हैं। वह नेट और पी.एच.डी करना ज़्यादा पसंद करते हैं। वैसे रिसर्च और प्रोफ़ेशनल कोर्स दोनों ही अपनी महत्व रखते हैं। जीव विज्ञान छात्रों के लिए बहुत से विकल्प करिअर बनाने की दृष्टि से मौजूद हैं। इसमें ड्रग डिजाइन, जेनेटिक इंजीनियरिंग, एम.बी.बी.एस, बी.एच.एम.एस, बी.ए.एम.एस, बी.एस.सी जीव विज्ञान, बी.एस.सी बॉटनी, बी.एस.सी लाइफ साइंस, बी.टेक बायोटेक, बीएससी नर्सिंग, बी.एस.सी. रेडियोलॉजी, बी. फ़ार्मा, बी.डी.एस., बी.एस.सी. एग्रिकल्चर, क्लीनिकल रिसर्च, माइक्रोबायोलॉजी, स्वास्थ्य प्रबंधन, सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा आदि में अपना भविष्य बना सकते हैं।

फ़ूड इंस्पेक्टर

फ़ूड इंस्पेक्टर बनने के लिए क्या करना होता है, इसके लिए किन विषयों की पढ़ाई की आवश्यकता है और इनकी नियुक्ति कैसे की जाती है? **अंकिता शर्मा,** आगरा

उत्तर

भारत सरकार द्वारा आयोजित संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा को पास कर आप फ़ूड इंस्पेक्टर बन सकते हैं। कृषि, फ़ार्मेसी, खाद्य प्रौद्योगिक, डेयरी प्रौद्यागिकी में स्नातक छात्र परीक्षा में बैठ सकते हैं। चिकित्सा में स्नातक छात्र जो खाद्य निरीक्षण में प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं, वे भी इसमें भाग ले सकते हैं। या किसी भी विज्ञान विषय में स्नातक की डिग्री को पूरा कर चुके हों। पाठ्यक्रम में रसायन विज्ञान होना चाहिए। इसके लिए सरकार द्वारा सामान्य वर्ग के छात्रों के लिए 21 से 30 वर्ष, ओबीसी के लिए 21 से 33 वर्ष तथा एससी एवं एसटी के लिए 21 से 35 वर्ष की आयु की समय सीमा निर्धारित की गयी है।

कुत्तों पर विशेष कोर्स

वेटरेनरी करने के बाद क्या कुत्तों से संबंधित कोई विशेष कोर्स भी किया जा सकता है। मैं कुत्तों के पालन संबंधी व्यवसाय करना चाहता हूँ, इस बारे में जानकारी कहाँ मिलेगी?

राहुल पाण्डेय, कानपुर

उत्तर

सिर्फ़ कुत्तों से संबंधित विशेष कोर्स भारत में नहीं है। आप पशुओं के क्लीनिक में प्राइवेट तौर पर इसका प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं। एक पशु चिकित्सक की प्राथमिक ज़िम्मेदारी पशुओं के स्वास्थ्य और कल्याण की होती है। इसके अलावा पशुओं में होने वाले रोगों के प्रसार को रोकने के लिए टीकाकरण, सर्जरी और पालतू जानवरों तथा खेती में इस्तेमाल होने वाले जानवरों की सही देख-रेख की सलाह देनी होती है। अन्य गतिविधियों में पशु प्रजनन, कृत्रिम गर्भाधान और पशु अनुसंधान और पशुओं के माध्यम से संचारित रोगों के प्रसार को रोकना होता है। इसके लिए आपके पास 12वीं कक्षा में भौतिक, रसायन तथा बायोलॉजी विषय होने चाहिए। पशु चिकित्सक बनने के लिए विवि द्वारा आयोजित परीक्षा पास करना ज़रूरी है। पशु चिकित्सा परिषद विद्यार्थियों के चयन के लिए अखिल भारतीय संयुक्त प्रवेश परीक्षा का आयोजन करती है।

होनहार विद्यार्थी

गुणों की खान गीतांजलि

गीतांजलि

कक्षा : 11वीं
द बैनयन ट्री स्कूल, चंडीगढ़

उपलब्धियाँ

चंडीगढ़ के द बैनयन ट्री स्कूल में 11वीं में पढ़ने वाली गीतांजली मंगल ऑल राउँडर हैं। उन्होंने छोटी कक्षा से ही प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेना शुरू कर दिया। इसके साथ-साथ वे पढ़ाई में काफ़ी अच्छी हैं और पाँचवीं और सातवीं कक्षा में शत-प्रतिशत उपस्थिति के लिए सम्मानित। गीतांजलि जहाँ खेल के मैदान में अपना जलवा दिखाती हैं वहीं गणित के कठिन से कठिन सवाल हल करने में भी पीछे नहीं रहतीं। वह जितना सुंदर गाती हैं उतने ही सुंदर ढंग से कैनवास में अपनी अंदर की भावनाओं को भी उकेरती हैं। आइये जानते हैं... क्या है इसका राज़

अच्छा लगता है हिस्सा लेना

स्कूल में आयोजित हर तरह की प्रतियोगिता में मुझे हिस्सा लेना अच्छा लगता है। किसी भी तरह की प्रतियोगिता में हिस्सा लेने से पहले मैं कभी भी हार-जीत के बारे में नहीं सोचती। प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने से मुझे काफ़ी कुछ नया सीखने को मिलता है।

करूँगी कड़ी मेहनत

हमारे स्कूल में एक कार्यशाला आयोजित की गयी थी, जिसमें हम सभी विद्यार्थियों को विभिन्न क्षेत्रों में अपना करिअर बनाने की सलाह दी गयी। उसमें मुझे पत्रकारिता के बारे में पता चला। तबसे मैंने अपने मन में पत्रकार बनने की ठानी है। मैं अपने इस लक्ष्य को पूरा करने में कड़ी मेहनत करूँगी।

माता-पिता का सबसे बड़ा हाथ

मेरी इस सफलता के पीछे मेरे माता-पिता का सबसे बड़ा हाथ है। उन्होंने मेरी हर ख़्वाहिश को पूरा करने में किसी भी तरह की कसर नहीं छोड़ी और हमेशा मेरी मुश्किलों में मेरा साथ दिया। इसके अलावा मेरे शिक्षकों का भी काफ़ी सहयोग रहा, जिन्होंने मेरी हर दिक्कतों को आसानी से दूर करने में मेरी हर क़दम में मदद की। **प्रस्तुतिः** जतिन सैनी